# पन्ना टाइगर रिज़र्व में आवारा कुत्तों का सामूहिक टीकाकरण

## चर्चा में क्यों?

जंगली जानवरों में कैनाइन डिस्टेंपर वायरस (CDV) संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिये, मध्य प्रदेश के पन्ना टाइगर रिज़र्व (PTR) **और इसके आसपास के क्षेत्रों में आवारा कुत्तों के लिये सामूहिक टीकाकरण अभियान** शुरू किया गया है।

## प्रमुख बिंदु

- **कैनाइन डिस्टेंपर वायरस (CDV):**
  - यह एक **अत्यधिक संक्रामक और संभावित रूप से घातक वायरल संक्रमण है** जो कुत्तों के श्वसन, जठरांत्र और तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है।
    - वर्ष 2015 में PTR में एक बाघ और दो तेंदुओं की CDV के कारण मृत्यु हो गई थी, जिससे इस विषाणु के कारण उत्पन्न खतरे पर प्रकाश पड़ा था।
  - इसका उद्देश्य CDV के प्रसार को रोकना तथा रिज़र्व के अन्दर और आसपास के जंगली जानवरों की रक्षा करना है।
- **टीकाकरण योजना:**
  - PTR के बफर ज़ोन के 36 वन्य गाँवों के लगभग 1,150 आवारा कुत्तों का टीकाकरण किया जाएगा।
  - यह अभियान दो चरणों में साढ़े तीन महीने तक चलाया जाएगा।
- **पन्ना टाइगर रिज़र्व (PTR):**
  - पन्ना राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना वर्ष **1981** में हुई थी। इसका भौगोलिक विस्तार **पन्ना और छतरपुर** ज़िलों में है।
    - इस राष्ट्रीय उद्यान को वर्ष **1994 में** केंद्र सरकार द्वारा टाइगर रिज़र्व घोषित किया गया था।
  - यूनेस्को ने **25 अगस्त, 2011 को पन्ना टाइगर रिज़र्व को** बायोस्फीयर रिज़र्व के रूप में नामित किया।
  - PTR में अब **62 बाघ और 500 से अधिक तेंदुए** हैं, जिससे उन्हें संक्रमण से बचाना महत्त्वपूर्ण हो गया है।
- **बाघ का पुनरुत्पादन:**
  - PTR वर्ष 2009 में अवैध शिकार के कारण बाघों की आबादी समाप्त हो जाने के बाद**सफलतापूर्वक बाघों को पुनः स्थापित करने के लिये प्रसिद्ध हो गया।**
  - पन्ना बाघ परियोजना की शुरुआत तीन स्थानांतरित बाघों से हुई:बांधवगढ़ **और** कान्हा राष्ट्रीय उद्यानों से दो बाघिनें और पेंच राष्ट्रीय उद्यान से एक नर बाघ।
  - वर्ष 2009 और वर्ष 2015 के बीच, तीन अतिरिक्त बाघिनें और एक नर बाघ को मध्य प्रदेश के अन्य राष्ट्रीय उद्यानों से PTR में स्थानांतरित किया गया।
  - PTR में बाघों की आबादी वर्ष 2009 में शून्य से बढ़कर वर्ष 2024 में 62 हो जाएगी।

## कान्हा राष्ट्रीय उद्यान

- यह **मध्य प्रदेश के दो ज़िलों - मंडला और बालाघाट -** में 940 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है।
- वर्तमान कान्हा क्षेत्र को **दो अभयारण्यों, हालोन और बंजर में विभाजित किया गया था। वर्ष1955 में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान बनाया गया** और **वर्ष 1973 में इसे कान्हा टाइगर रिज़र्व** बना दिया गया।
  - कान्हा राष्ट्रीय उद्यान **मध्य भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है।**

## पेंच राष्ट्रीय उद्यान

- **यह महाराष्ट्र के नागपुर ज़िले** में स्थित है और **इसका नाम प्राचीन पेंच नदी के नाम पर** रखा गया है।
  - पेंच नदी उद्यान के ठीक बीच से बहती है।

- यह **उत्तर से दक्षिण की ओर बहती है,** जिससे **रिज़र्व पूर्वी और पश्चिमी बराबर भागों में विभाजित हो जाता है।**
- PTR **मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र दोनों का संयुक्त गौरव** है।
  - यह अभयारण्य मध्य प्रदेश के सिवनी और छिंदवाड़ा ज़िलों में **सतपुड़ा पहाड़ियों** के दक्षिणी छोर पर स्थित है, तथा महाराष्ट्र के नागपुर ज़िले में एक अलग अभयारण्य के रूप में फैला हुआ है।
- इसे **वर्ष 1975 में महाराष्ट्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय उद्यान घोषित** किया गया तथा **वर्ष 1998-1999 में इसे बाघ अभयारण्य** का दर्जा दिया गया।
- हालाँकि, वर्ष 1992-1993 में PTR मध्य प्रदेश को भी यही दर्जा दिया गया था। यह सेंट्रल हाइलैंड्स के **सतपुड़ा-मैकल पर्वतमाला** के प्रमुख संरक्षित क्षेत्रों में से एक है।
- यह **भारत के महत्त्वपूर्ण पक्षी क्षेत्रों (IBA)** के रूप में अधिसूचित स्थलों में से एक है।
  - IBA **बर्डलाइफ इंटरनेशनल** का एक कार्यक्रम है जिसका **उद्देश्य विश्व के पक्षियों और उनसे संबंधित विविधता के संरक्षण के लिये IBA के वैश्विक नेटवर्क की पहचान, निगरानी और सुरक्षा** करना है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mass-vaccination-of-stray-dogs-in-panna-tiger-reserve